भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या: 3962
गुरुवार, 19 दिसंबर, 2024/28 अग्रहायण, 1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

राष्ट्रीय विमानन सुरक्षा योजना का उन्नयन

3962. श्री लावू श्रीकृष्णा देवरायालू:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या वर्तमान वर्ष के लिए राष्ट्रीय विमानन सुरक्षा योजना (एनएएसपी) को अद्यतन बनाया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस योजना में कौन-कौन से प्रमुख परिवर्तन किए गए हैं;

(ख) नवीनतम एनएएसपी के अंतर्गत सुरक्षा चिंताओं के रूप में पहचान किए गए प्राथमिक क्षेत्रों का ब्यौरा क्या है और इन चिंताओं के समाधान के लिए क्या विशिष्ट उपाय किए जा रहे हैं;

(ग) उन एजेंसियों, हितधारकों और विशेषज्ञ निकायों का ब्यौरा क्या है जिनके साथ नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा एनएएसपी का मसौदा तैयार करने और उसे अद्यतन बनाने के लिए परामर्श किया गया है;

(घ) क्या यह सच है कि अंतर्राष्ट्रीय मानकों और अन्य देशों के सफल मॉडलों के आधार पर एनएएसपी में सर्वोत्तम पद्धतियों को शामिल किया गया है;

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(च) सरकार द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/ उठाए जा रहे हैं कि एनएएसपी आईसीएओ की वैश्विक सुरक्षा प्राथमिकताओं और देश में स्थानीय विमानन सुरक्षा आवश्यकताओं, दोनों के अनुरूप हो; और

(छ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) **:** नागर विमानन महानिदेशालय ने राष्ट्रीय विमानन सुरक्षा योजना (एनएएसपी) को अद्यतन किया है और 2024-2028 की अवधि के लिए एनएएसपी का तीसरा संस्करण जारी किया है।

एनएएसपी 2024-2028 का वर्तमान संस्करण नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

वर्तमान योजना में निम्नलिखित प्रमुख अद्यतन प्रस्तुत किए गए हैं:

1. इकाओ ग्लोबल एविएशन सेफ्टी प्लान (जीएएसपी) 2023-2025 में परिभाषित लक्ष्यों और शब्दावली को अपनाना

2. इकाओ जीएएसपी और एशिया प्रशांत-क्षेत्रीय विमानन सुरक्षा योजना (एपी-आरएएसपी) सुरक्षा संवर्धन पहल (एसईआई) का सामंजस्य

3. उभरते मुद्दों पर नज़र रखना

(ख): एनएएसपी 2024-2028 का लक्ष्य 1 "परिचालन सुरक्षा जोखिमों में निरंतर कमी लाना" है, जो इकाओ जीएएसपी 2023-2025 के अनुरूप है। यह लक्ष्य निम्नलिखित आठ राष्ट्रीय उच्च जोखिम श्रेणियों (एन-एचआरसी) से जुड़ा है, जो परिचालन सुरक्षा संबंधी प्राथमिक चिंता का विषय है:

1. वायु में विमान टकराव

2. टेरेन में नियंत्रित उड़ान

3. रनवे संचलन

4. वन्यजीव (पक्षी/पशु) से टकराव

5. उड़ान के दौरान नियंत्रण खोना

6. रनवे में घुसपैठ

7. रैंप सुरक्षा

8. अपर्याप्त रखरखाव

प्रत्येक एन-एचआरसी की घटनाओं पर कार्रवाई करने के लिए विशिष्ट उपायों का विवरण एनएएसपी 2024-2028 में सुरक्षा वृद्धि पहल (एसईआई) के रूप में दिया गया है।

(ग): एनएएसपी 2024-2028 तैयार करने के लिए नागर विमानन महानिदेशालय द्वारा नागर विमानन महानिदेशालय के अंतर्गत संबंधित निदेशालयों, अन्य सरकारी संगठनों और प्रयोज्य सेवा प्रदाताओं से परामर्श किया गया था।

(घ) और (ङ): अंतर्राष्ट्रीय मानकों के आधार पर सर्वोत्तम प्रथाओं को एनएएसपी 2024-2028 में शामिल किया गया है।

अंतर्राष्ट्रीय अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए, एनएएसपी 2024-2028 में दी गई सुरक्षा संवर्धन पहलों (एसईआई) को इकाओ ग्लोबल एविएशन सेफ्टी प्लान (जीएएसपी) 2023-2025 और इकाओ एशिया पैसिफिक - रीजनल एविएशन सेफ्टी प्लान (एपी-आरएएसपी) में दी गई सुरक्षा संवर्धन पहलों के साथ सुसंगत बनाया गया है।

(च) और (छ): ग्लोबल एविएशन सेफ्टी प्लान 2023-2025 घटनाओं की पांच वैश्विक उच्च जोखिम श्रेणियों (जी-एचआरसी) की पहचान करता है जिन्हें एनएएसपी 2024-2028 में एन-एचआरसी के रूप में शामिल किया गया है।

इसके अलावा, देश में स्थानीय विमानन सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, नागर विमानन महानिदेशालय वार्षिक समग्र सुरक्षा डेटा का विश्लेषण करता है। सुरक्षा डेटा और अनुमानित जोखिम के विश्लेषण के आधार पर, नागर विमानन महानिदेशालय ने तीन और एन-एचआरसी अर्थात वन्यजीव (पक्षी/पशु) हमले, रैंप सुरक्षा और अपर्याप्त रखरखाव की पहचान की है जिन्हें भी एनएएसपी 2024-2028 में शामिल किया गया है।

******